Kanya Mahavidyalaya Kharkhoda

Ek Bharat Shresth Bharat Club

Session 2023-24

- एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत गुड़ी पड़वा पर्व का अयोजन किया गया हिंदू पंचांग के अनुसार, यह चैत्र महीने के पहले दिन मनाया जाता है। यह मराठी लोगों के नव वर्ष की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस दिन मराठी समुदाय के लोग अपने घरों के बाहर समृद्धि के प्रतीक गुड़ी को लगाते हैं और पूजा करके गुड़ी पड़वा मनाते हैं।

कन्या महाविद्यालय में मनाया गुड़ी पड़वा उत्सव

गुड़ी पड़वा उत्सव मनाते शिक्षक व छात्राएं।

खरखौदा, 12 अप्रैल (शर्मा): कन्या महाविद्यालय में एक भारत-श्रेष्ठ भारत व होटल मैनेजमैंट विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुड़ी पड़वा उत्सव मनाया गया। गुड़ी पड़वा उत्सव के दौरान तेलंगाना के खान-पान पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. योगिता मलिक ने बताया कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत कन्या महाविद्यालय खरखौदा तथा राजकीय कन्या महाविद्यालय करीम नगर का जोड़ा महाविद्यालय हैं। कार्यशाला में उनके साथ जुड़कर छात्राओं को गुड़ी पड़वा पर बनाए जाने वाले व्यंजन, पकाने की विधि, परोसने के तरीके व उनके खाने के बारे में जानकारी दी गई है।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित करके गुड़ी पड़वा का पूजन किया गया। प्रवीण कुमार ने छात्राओं को स्थानीय व्यंजन बनाने की विधि व वहां के व्यंजन बनाकर सिखाए। कार्यशाला में 35 छात्राओं ने भाग लेकर व्यंजन बनाने के तरीके, विधि व परोसने के तरीके सीखे। इस मौके पर डॉ. पूनम यादव, सुमित कुमार, रणबीर, परीक्षित मौजूद रहे।

- भारत के सबसे प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों में से एक, सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में 23 जनवरी, 2024 को इतिहास विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती मनाई जाती है। इस दिन को 'पराक्रम दिवस' या साहस दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रिंसिपल मैडम और सभी स्टाफ सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया।

- एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ शुरू किया गया । यह प्रयास स्वच्छ-समृद्ध-हरित वातावरण प्रदान करने के लिए भावी अवशेष में योगदान देने के लिए निर्धारित है।

- अमृत काल के पंच पर्ण की शपथ

- जनजातीय गौरव दिवस के इस उपलक्ष्य पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं. भगवान बिरसा देश, समाज और संस्कृति के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर देने वाले महानायक थे. उनके जीवन आदर्श हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे. जननायक बिरसा

मुंडा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के महान प्रतीक हैं. हमारी समृद्ध संस्कृति और सभ्यता के संवाहक हैं और जनजातीय समाज सहित संपूर्ण राष्ट्र के गौरव हैं.